This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5003**

Unique Paper Code : **205281** **C**

Name of the Course : **B.Com. (Hons.)**

Name of the Paper : **Hindi A**

Semester : **II**

समय : 3 **घण्टे** **पूर्णांक** : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. हिंदी की किसी **एक** बोली का संक्षिप्त परिचय दीजिए । 3

अथवा

मानक भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. अपने क्षेत्र में परिवहन संबंधी असुविधा की शिकायत हेतु दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । 4

अथवा

अपनी कॉलोनी में सफ़ाई की स्थिति में सुधार की माँग करते हुए नगर-निगम अधिकारी को पत्र लिखिए ।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय का पल्लवन कीजिए : 3

(क) सब दिन होत न एक समान ।

(ख) विपत्ति मित्रता की कसौटी है ।

अथवा

अच्छे प्रारूपण की विशेषताएँ लिखिए ।

P.T.O.

4. किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : 6

(क) स्त्री सुरक्षा का प्रश्न

(ख) टी.वी. धारावाहिकों का समाज पर प्रभाव

(ग) पर्यावरण की समस्या

(घ) कॉलेज का सांस्कृतिक समारोह ।

5. किन्हीं **पाँच** शब्दों के हिंदी प्रतिरूप लिखिए : 5

Agreement. Payment. Currency. Debtor, Income. Investment, Guarantee. Payable, Sensex.

अथवा

एकभाषी कोश और द्विभाषिक कोश में अंतर बताइये ।

6. निम्नांकित में से किसी **एक** गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) रुदन में कितना उल्लास, कितनी शांति, कितना बल है । जो कभी एकांत में बैठकर किसी की स्मृति में, किसी के वियोग में, सिसक-सिसक और बिलख-बिलख नहीं रोया, वह जीवन के ऐसे सुख से वंचित है, जिस पर सैकड़ों हँसियाँ न्यौछावर हैं । उस मीठी वेदना का आनंद उन्हीं से पूछो, जिन्होंने यह सौभाग्य प्राप्त किया है । हँसी के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्ध हो जाती है, मानो हम थक गए हों, पराभूत हो गये हों । रुदन के पश्चात् एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन उत्साह का अनुभव होता है ।

अथवा

अगर इस समय किसी को संसार में सबसे दु:खी, जीवन से निराश, चिंताग्नि में जलते हुए प्राणी की मूर्ति देखनी हो, तो उस युवक को देखें, जो साइकिल पर बैठा हुआ अलफ्रेड पार्क के सामने से चला जा रहा है । इस वक्त अगर काला साँप नजर आये, तो वह दोनों हाथ फैलाकर उसका स्वागत करेगा और उसके विष को सुधा की तरह पियेगा । मौत ही अब उसकी चिंताओं का अंत कर सकती है । लेकिन क्या मौत उसे बदनामी से बचा सकती है ? 6

(ख) धर्मग्रंथों में, स्त्री की तुलना पृथ्वी के साथ की गई है । जिस भाँति पृथ्वी संसार-भर का बोझ वहन करती है, वैसे ही स्त्री सभी दायित्वों का भार वहन करती है, उसकी शक्ति सेवा में है । पुरुष महत्वाकांक्षी होता है, पर स्त्री का प्रमुख गुण त्याग है, सेवा है ।

अथवा

तुम फिर अपने को धोखा दे रहे हो, गालव । यह छिछली भावुकता किस काम की ? यौवन और रूप तो मिल जाएँगे, पर इस अपने दिल का क्या करूँगी जो छलनी हो चुका है । 6

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

स्वार्थों के झण्डे फहरे थे

था गगन भरा

थर-थर यदि काँप रहा था कुछ

तो वह बेचारी वसुंधरा

उसके बेटे

बिन काज

खून के प्यासे थे

वे परम भयंकर पल

कितनों के लेखे

सिर्फ़ तमाशे थे ।

अथवा

सरल है अशिव का वत्स !

कर देना संचरण

शिव का प्रसार

अभय आरती ही माँगता है;

नाश की लहर तो एक झोंका, और फैलती है;

संकल्प किन्तु निर्मिति का

निकल एक मुँह से अखिल भारती ही माँगता है । 6

8. 'कालजयी' का प्रतिपाद्य लिखिए । 12

अथवा

'कालजयी' में चित्रित समस्याओं पर विचार कीजिए ।

9. 'माधवी' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । 12

अथवा

'माधवी' में गालव की भूमिका की समीक्षा कीजिए ।

10. 'ग़बन' के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए । 12

अथवा

'ग़बन' के रमानाथ की चारित्रिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।